पवित्र आत्मा की शक्ति से यीशु की गवाही देना

जो बच्चों को पढ़ाते हैं वे अध्ययन करें पी 5 ब

प्रार्थना: "प्रिय परमेश्वर हमारे झुंड के विश्वासियों को उस शक्ति का प्रयोग करने में सहायता करें जो आपने उन्हें दी हैं जिससे वह अपने मित्रों और सम्बन्धियों को गवाही दे सकें, जैसे पतरस और उसके दूसरे चेलों ने कहा।"

1. अपने हृदयों को प्रार्थना और प्रभु वचन के साथ तैयार करें।

पढ़ें प्ररितों के काम 3:1-22 और खोजें उन चीजों को जो पतरस और यूहन्ना ने की और उद्धार के शुभ समाचार को बहुत लोगों को मानने के लिये कहीं। *(उत्तर प्रश्नों के बाद आयेंगे।)*

- पतरस ने उस लंगड़े व्यक्ति को क्या दिया, जो सोने से भी अधिक मूल्यवान थी? *(आयत 6)*
- उस शक्ति का स्रोत क्या था जिसने उस लंगड़े व्यक्ति को चंगा किया जब उसने विश्वास किया? *(आयतें 12-13 और 16)*
- पतरस और यूहन्ना कौन से मुख्य तथ्यों के गवाह थे? *(आयत 14-15)*
- लोगों को क्या करना चाहिये, जिससे उनके पाप धुल जायें? *(आयत 19)*

सात सहायतें जो शक्ति की गवाही देती है

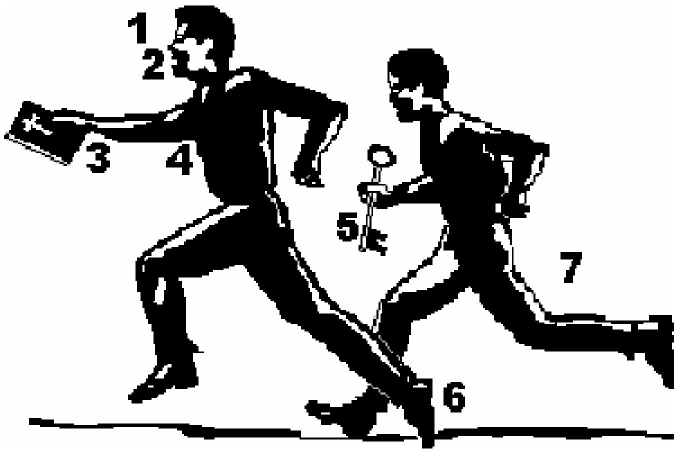

1. **आँखें** यूहन्ना 4:35-39 में देखें परमेश्वर हमें क्या दिखाने के लिये कहता है।
2. **होंठ** लूका 24:46-48 में देखें हमें यीशु के विषय में क्या बताना है।
3. **हाथों** (बाइबल) 2 तीमुथियुस 2:2 में देखें हमें परमेश्वर के वचन से क्या करना है।
   मत्ती 28:18-20 में देखें हमें चेलों को क्या करने की शिक्षा देनी है।
4. **हृदय** 1 कुरिन्थियों 13:1-3 में देखें हमारे काम को क्या असरदार बनाता है।
   इब्रानियो 11:6 में देखें कि हमें किस चीज की आवश्यकता है कि परमेश्वर काम करे।
   1 थिस्लुनिकियों 5:17 में देखें हमें हर समय क्या करना चाहिये।
   प्रेरितों के काम 1:8 में देखें किस से हमें शक्ति प्राप्त करनी है और क्यों।
5. **हाथ** (कुंजियाँ)। मत्ती 16:13-19 में देखें ने पतरस से क्या प्रतिज्ञा की।
   मत्ती 18:18 में देखें और किसने इस प्रतिज्ञा को पाया।
   यूहन्ना 20:22-23 में देखें परमेश्वर हमारे द्वारा क्या करता है।

6. **पैर** (जूते)। इफिसियों 6:15 में देखें किस तरह के जूते परमेश्वर हमें देता है।
   यशायाह 52:7 में देखें पैरों को कविता द्वारा सुन्दर क्यों कहा गया।
7. **सहायक** प्रेरितों के काम 11:12 में देखें पतरस के पास कितने सहायक थे।
   प्रेरितों के काम 13:2–5 में देखें पौलुस के पास कितने सहायक थे।
   लूका 10:1 में देखें कि कितनो ने साथ मिलकर सफर किया।

उत्तर

1. **आँखें** उन खेतों पर ध्यान दें जिनकी फसल तैयार है, जैसे वे लोग जो पश्चात्ताप करेंगे और विश्वास करेंगे।
2. **होंठ** यीशु की मृत्यु की घोषणा और जीवन देने वाला पुनः र्जीन्म, और क्षमा उन सबको जो पश्चात्ताप करते हैं।
3. **हाथ** (बाइबल) दूसरों को पहुंचायें जो हमने सुना और विश्वासियों को यीशु की आज्ञा मानने की शिक्षा दें।
4. **हृदय** हर काम को प्रेम विश्वास और प्रार्थना पवित्र आत्मा की शक्ति के अंदर होकर करें।
5. **हाथ** (कुंजियाँ) यीशु ने पतरस से प्रतिज्ञा की अपने राज्य की कुजियाँ उसको सौंपने की एक शक्ति का प्रतीकं जो पापों से क्षमा करता है। यीशु ने इसी शक्ति की प्रतिज्ञा और चेलों से भी की। यीशु ने इस शक्ति की प्रतिज्ञा पापों से क्षमा प्रदान करने के लिये की, उन विश्वासियों से जो पवित्र आत्मा से भरे थे।

यीशु ने इन कुंजियों का प्रयोग एक झोले के मारे हुये के पाप खोलने के लिये किया जब उसने उसके चार मित्रों का विश्वास देखा जिन्होंने उसे छत से नीचे लटकाया ताकि यीशु उसे चंगा कर सके। मरकुस 2:1–12 उनके विश्वास की वजह से यीशु ने उसके पाप क्षमा किये।

हम स्वयं भी इन "कुंजियों" का प्रयोग कर सकते हैं जब हम पवित्र आत्मा की शक्ति के द्वारा विश्वास करते हैं कि जब कोई यीशु को ग्रहण करेगा तो उसे पापों की क्षमा मिलेगी।

दूसरे व्यक्ति का रूपांतरण शुरू होता है जब एक विश्वासी यीशु की शक्ति की गवाही देता है। इसके पश्चात्त उस व्यक्ति को अपने विश्वास को बार बार दोहराना है जिससे कि उसका रूपांतरण पूर्ण हो सके।

6. **पैर** हमारे पैर शुभ समाचार की तैयारी के जूते पहनकर तैयार रहना चाहियें इसका अर्थ है कि हम लोगों के लिये आनन्द का सुसमाचार संदेश लाये हैं जो हमें शांति और खुशी प्रदान करता है।
7. **सहायकः**

   अ) **पतरस** के साथ छः सहायक थे जब वह अन्यजातियों के बीच यीशु के विषय में बताने गया।

   ब) **पौलुस और बरनाबास** अपने सहायक यूहन्ना के साथ (मरकुस जिन्हें अंतकिया से दूसरे देशों में भेजा गया।

   स) **मसीह** ने सत्तर को भेजा जोड़ों में (दो के समूह)। यीशु और उसके चेलों ने एक समूह में हमेशा काम किया, अकेले नहीं।

पवित्र आत्मा से मरना

वहाँ शास्त्र बताता है कि पवित्र आत्मा से मरना और उसकी शक्ति को पाना, इसका उद्देश्य है कि विश्वासी बहुत क्रियात्मक काम परमेश्वर के लिये करें। उदाहरण के लिये पवित्र आत्मा सामसन पर उतरी और उसने शेर को मारा इसके साथ घटनाओं का क्रम आरम्भ हुआ जिससे इस्राइली अपने शत्रुओं से स्वतंत्र हुये। पवित्र आत्मा से मरने का अर्थ केवल यही नहीं है कि लोगों को एक अलग शास्त्र में केवल एक समय जब आराधना करने वाले कूढे और चिल्लाये, परमेश्वर ने एल्लियाह को उन्हें मारने भेजा (1 राजा 18:25–40)।

2. अपने सहकर्मियों के साथ उन क्रियाओं की योजना बनायें जो सप्ताह के बीच में करनी हैं।

- उस शक्ति के लिये प्रार्थना करें जिसके लिये यीशु हमें बताता है। उन लोगों को मिलें जो अभी तक उसे नहीं जानते।
- उन लोगों के लिये प्रार्थना करें जो मसीह के बिना खो गये।
- विश्वासियों के पास जायें और उनसे उनके मित्रों और सम्बन्धियों के विषय में पूछें जिनको वह यीशु के बारे में बताना चाहते हैं। अगर इसके लिये वह आपकी सहायता चाहते हैं, तो उनके साथ जायें और आरम्भ करने में उनकी सहायता करें।

3. अपने सहकर्मियों के साथ आने वाले आराधना समय की योजना बनायें।

बतायें पतरस और यूहन्ना ने कैसे एक व्यक्ति को चंगा किया औद बहुतों को यीशु के विषय में बताया। प्रश्न पूछें (ऊपर)।

सात सहायताओं के विषय में बतायें जिनसे शक्ति मिलती है (ऊपर)।

इस शक्ति का उद्देश्य समझायें।

बच्चों को वह प्रस्तुत करने दें जो उन्होंने तैयार किया है।

प्रभु भोज के विषय में बताने के लिये पढ़ें यूहन्ना 21:9–14 और समझाएँ कि यीशु हमें अपने साथ खाने की स्वीकृति देता है और एक दूसरे के साथ।

विश्वासी ये समाचार सबको बतायें कि उन्होंने यीशु की शक्ति की गवाही अभी किसको दी।

दो और तीन के समूह में बैठियें, और एक दूसरे के लिये प्रार्थना करें, एक दूसरे को आगे बढ़ाने की योजना बनायें।

याद करें प्रेरितों के काम 4:33